अर्धवार्षिक परीक्षा–2021

कक्षा – 11

विषय– हिन्दी

समय 2.30 घण्टा　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　पूर्णांक–90

नोट– सभी प्रश्न अनिवार्य है।

प्रश्न–1(i) खड़ी बोली हिन्दी गद्य की प्रथम रचना है?　　　　　　2×5=10

(क) वर्ण रत्नाकार　(ख) भाषा योगवाशिष्ठ　(ग)प्रेमसागर　(घ)सुखसागर

(ii) द्विवेदी युग की समय–सीमा क्या है?

(क) 1850–1900　(ख) 1800–18500　(ग)1920–1938ई0　(घ)1900–1920ई0

(iii) कवि वचन सुधा पत्रिका के संपादक थ?

(क) भारतेन्दु हरिश्चन्द　(ख) बाल कृष्ण भट्ट　(ग)प्रताप नारायण मिश्र　(घ)प्रेमघन

(iv) 'अमेरिका का मस्त योगी वाल्ट हिटमैन' किस निबन्धकार का निबन्ध है?

(क) महावीर प्रसाद द्विवेदी　(ख) सरदार पूर्ण सिह　(ग)श्यामसुन्दर दास　(घ)भारतेन्दु हरिश्चन्द

(v) 'सरमूपार की मात्रा' किस विधा की रचना है?

(क) नाटक　(ख) उपन्यास　(ग)मात्रा–साहित्य　(घ)आलोचना

प्रश्न–2(i) भक्तिकाल का विभाजन नही है?　　　　　　2×5=10

(क)रीतिबद्ध　(ख) प्रेमाश्रयी　(ग)रामकाव्य　(घ)कृष्ण काव्य

(ii) हिन्दी साहित्य के इतिहास निम्न मे से किस काल को 'स्वर्ण युग ' कहा जाता है?

(क) रतिकाल　(ख) आदिकाल　(ग)भक्तिकाल　(घ)आधुनिक काल

(iii) राम चरित मानस किस भाषा की रचना है?

(क) ब्रजभाषा　(ख) भोजपुरी　(ग)सस्कृत　(घ)अवधी

(iv) 'ता–सप्तक' का प्रकाशन वर्ष है?

(क) 1954　(ख) 1938　(ग)1943　(घ)1959

(v) रीतिसिद्ध काव्य धारा के प्रतिनिधि कवि है?

(क) बिहारी　(ख) धनानन्द　(ग)बोधा　(घ)आलय

प्रश्न–3 दिये गए गद्यांश पर आधारित निम्न लिखित प्रश्नो के उत्तर दीजिए?　　　　　　2×5=10

जब कमल शोभित होते है, तब कुमुद नहीं और जब कुमुद शोभित होते है तब कमल नहीं ।
दोनों की दशा बहुधा एक सी नहीं रहती। परन्तु इस समय प्रातः काल दोनो मे तुलयता देखी जाती है। कुमुद बंद होने को है, पर अभी पूरे बंद नही हुए है। उधर कमल खिलने को है, पर अभी पूरे खिले नहीं। एक की शोभा आधी रह गयी है और दूसरे को आधी प्राप्त हुई है। रहे भ्रमर सो अभी दोनो पर ही मडरा रहे है, और गुंजारव के बहाने दोनो ही के प्रसंसा के गीत गा रहे है। इसी से इस समय कुमद और कमल दोना ही समता को प्राप्त कर रहे है।

(i) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए?

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए?

(iii) गुंजारव के बहाने कौर प्रशंसा के गीत गा रहे है?

(iv) कुमुद कब सुशोभित होते है?

(v) लेखक किसकी समता की बात कर रहा है?

अथवा

प्रेम की भाषा शब्द रहित है। नेत्रों की कपोलों की मस्तक की भाषा भी शब्द– रहित है। जीवन का तत्व भी शब्द से परे है। सच्चा । आचरण – प्रभाव, शील, अचल स्थित सयुक्त आचरण न तो साहित्य के लम्बे व्याख्यानो से गढा जा सकता है। न वेद की श्रुतियो के मीठे– उपदेश से, न

https://www.upboardonline.com

अजील से, न कुरान से, न धर्म चर्चा से, न केवल सत्सग से । जीवन के अरण्य में धँसे हुए पुरूष के हृदय पर प्रकृति और मनुष्य के जीवन के मौन व्याख्यानो के यत्न से सुनार के छोटे हथौड़े की मद-मद चोटों की तरह आचरण का रूप प्रत्यक्ष होता है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए?
(ii) रेखाकित अंश की व्याख्या कीजिए?
(iii) प्रेम की भाषा कैसी होती है?
(iv) जीवन के अरण्य में धँसे हुए पुरूष के आचरण का रूप किस तरह प्रत्यक्ष होता है?
(v) जीवन का तत्व कैसा है?

प्रश्न-04 निम्नलिखित पद्यांशो को पढ़कर उनके नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर लिखिए? 2X5=1

काहे रे नलनी तू कुम्हिलानी,
तेरे ही नाल सरोवर पानी।
जल मैं उत्तति जल मैं बास, जल मैं नलनी तोर निवास।
ना तलि तपति ना ऊपरि आगि, तोर हेतु कहु कासीन लागि।
कहै कबीर जे उदिक समान, ते नही गए हमारे जान।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सदर्भ लिखिए?
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए?
(iii) कबीर ने जीवात्मा की तुलना किससे की है?
(iv) 'जे उदिक समान' से क्या तात्पर्य है?
(v) उपर्युक्त पद में कौन सा रस है?

अथवा

कहत कत परदेशी की बात।
मंदिर अरध अवधि बदि हमसौ, हरि अहार चलि जात।
ससि-रिपु बरष, सूर-रिपु जुग बर, हर -रिपुर कीन्हौ घात।
मघ पचक लै गयौ साँवरी, तातैं अति अकुलात।
नखत, वेद, ग्रह जोरि अरध करि, सोई बनत अब खात।
सूरदास बस भई बिरह के कर मीजै पछितात।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सदर्भ लिखिए?
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए?
(iii) श्री कृष्ण गोपियों को वचन देकर गये थे और अब कितना समय बीत गया है?
(iv) गोपियों को किस बात पर पछतावा है?
(v) श्री कृष्ण के वियोग में गोपियों को दिन-रात कैसे मालूम पड़ रहे हैं?

प्रश्न-05 (क) निम्न लिखित लेखको में से किसी एक लेखक का सहित्यिक परिचय लिखते हुए भाषा शैली पर प्रकाश डालिए? 5X1=

(i) भारतेन्दु हरिशचन्द्र (ii) महावीर प्रसाद द्विवेदी (iii) सरदार पूर्ण सिंह

(ख) निम्न लिखित कवियो मे से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए?

(i) कबीरदास (ii) सूरदास (iii) तुलसीदास

प्रश्न-06 'बलिदान' अथवा 'आकाशद्वीप' कहानी की कथवस्तु अपने शब्दो मे लिखिए ?

प्रश्न-07 निम्नलिखित अवतरणो का संदर्भ-सहित हिन्दी मे अनुवाद कीजिए? 10X1=1

ईशावास्यमिदं सर्वं यत् किञ्च जगत्यां जगत
तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्य स्विद धनम।।

https://www.upboardonline.com

अथवा

राष्ट्रभाषा हिन्दी –प्रचार सलग्न हिन्दी सहित्य सम्मेलनम् अत्रस्थितम् अत्रैव च अनके सहससख्यै देश विदेश विद्यार्थिभि: परिवृत विविध विधापार ड.गतै: विद्वदवरेण्यै उपशोभित: च प्रयागविश्वविद्यालय भरद्वाजस्य प्राचीन – गुरुकुलस्य नवीन रूपनिव शोभते। स्वतत्रेऽस्मिन् भारते प्रत्येक नागरिकाणां न्यायप्राप्तेधिकार घोषणामिव कुर्तन उच्चन्यायालय अस्य नगररूप प्रतिष्ठा वद्धर्यति।

प्रश्न–08 (क) **'शान्त रस'** अथवा **'वीर रस'** की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए? 3X3=09
(ख) **'चौपाई'** अथवा 'दोहा' **'छन्द का लक्षण'** परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए?
(ग) **"अनुप्रास अलंकार"** अथवा **'श्लेषअंलकार'** की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए?

प्रश्न–09 निम्न में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखि? 11x 1 =11

(i) भारतीय कृषको की समस्याएं और समाधान?
(ii) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन ?
(iii) कम्प्यूटर शिक्षा की उपयोगिता?
(iv) पर्यावरण प्रदूषण : समस्या व समाधान

https://www.upboardonline.com